अध्याय
# 02

# भारत मे राष्ट्रवाद

**सीखने के प्रतिफल–** इस अध्याय से छात्र भारत में राष्ट्रवाद को प्रेरित करने वाली घटनाओं के बारे में क्रमबद्ध तरीक़े से जानेंगे।

**परिचय**– राष्ट्रवाद इस तरह की भावना है जो व्यक्ति को अपने देश से बहुत ज्यादा लगाव अथवा देशभक्ति की भावना को प्रेरित करता है।

**राष्ट्रवाद की परिभाषा:** राष्ट्रवाद का शाब्दिक अर्थ होता है– "राष्ट्रीय चेतना का उदय"। ऐसी राष्ट्रीय चेतना के उदय जिसमें राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक एकीकरण का आभास हो।

**राष्ट्रवाद के उदय के कारण:** भारत में राष्ट्रवाद का उदय विभिन्न शक्तियों और कारणों के संयोग का परिणाम था, जिसे निम्नलिखित वर्गों में बाँटकर अध्ययन कर सकते है–

- **राजनीतिक कारण:** लॉर्ड डलहौजी, लॉर्ड लिटन और लॉर्ड कर्जन की प्रतिक्रियावादी नीति।
- **सामाजिक कारण:** अंग्रेज अपने को श्रेष्ठ समझते थे एवं भारतीयों को हेय दृष्टि से देखते थे।
- **आर्थिक कारण:** अंग्रेजों की कृषि नीति मुख्य रूप से अधिकतम भू राजस्व (लगान) एकत्रित करने के उद्देश्य से प्रेरित थी।
- **पहला विश्व युद्ध:** प्रथम विश्व युद्ध की शुरुआत 1914 ई० में हुई भारत से जबरन सैनिकों की भर्ती करके उन्हें समुद्र पार युद्ध करने के लिए भेजा गया।

© JCERT not to be republished

**सत्याग्रह का विचार:**

सत्याग्रह के विचार में सत्य की शक्ति पर आग्रह और सत्य की खोज पर जोर दिया जाता है।

गाँधी जी ने सत्याग्रह का सफल प्रयोग भारत आने से पूर्व दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद के खिलाफ किया था।

**1. गांधी जी द्वारा सत्याग्रह का सफल प्रयोग**

- बिहार के चंपारण जिले में 1917 ई० में तिनकठिया पद्धति के खिलाफ सफल सत्याग्रह।
- गुजरात के खेड़ा जिले में 1918 ई० में सफल सत्याग्रह।
- गुजरात के अहमदाबाद जिले में 1918 ई० में मिल मालिक के विरुद्ध सफल सत्याग्रह।

**2. रॉलेट ऐक्ट 1919:** भारत में राजनैतिक और क्रांतिकारी गतिविधियों को कुचलने के लिए ब्रिटिश सरकार ने 1919 में न्यायाधीश सिडनी रॉलेट की अध्यक्षता में एक समिति को नियुक्त किया।

**3. जलियांवाला बाग हत्याकांड:** रॉलेट ऐक्ट के विरोध में हुई गिरफ्तारी के खिलाफ पंजाब के अमृतसर में 13 अप्रैल 1919 ई० को एक शांतिपूर्ण सभा का आयोजन किया गया। यहाँ जनरल डायर ने निहत्थी भीड़ पर अंधाधुंध गोलियां चलवाई जिससे काफी संख्या में लोग हताहत हुए।

**4. खिलाफत आंदोलन:** ब्रिटेन द्वारा तुर्की साम्राज्य का विघटन और खलीफा के पद को समाप्त करने के निर्णय से भारतीय मुसलमान नाराज हो गए। मोहम्मद अली और शौकत अली के नेतृत्व में भारत मे 1919 ई० में खिलाफत आंदोलन शुरू हुआ।

**5. असहयोग आंदोलन:** महात्मा गांधी ने 1 अगस्त 1920 ई० को असहयोग आंदोलन की शुरुआत की। पहली बार इस आंदोलन में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी थी।

इस आंदोलन के निम्नलिखित कार्य थे-

- सरकारी उपाधियों प्रशस्ति पत्रों को लौटाना।
- सरकारी स्कूल, कॉलेजों ,अदालतों, विदेशी कपड़ों का बहिष्कार
- स्वदेशी का प्रचार- प्रसार और कताई- बुनाई
- राष्ट्रीय विद्यालयों तथा पंचायती अदालतों की स्थापना

© JCERT not to be republished

**ग्रामीण इलाकों में विद्रोह**

संयुक्त प्रांत के अवध में तालुकेदारों और जमींदारों के खिलाफ विद्रोह हुआ।

फरवरी 1919 ई० में नाई-धोबी ने सामाजिक बहिष्कार कार्यक्रम चलाया।

**आंध्र प्रदेश की गुडेम पहाड़ियों** में आदिवासी किसानों ने गांधीजी के असहयोग आंदोलन से प्रेरित होकर **अल्लूरी सीताराम राजू** के नेतृत्व में गुरिल्ला आंदोलन चलाया चलाया गया।

**चोरी-चौरा कांड:** गोरखपुर के चौरी -चौरा क्षेत्र में **5 फरवरी 1922 ई०** को अनाज की बढ़ती हुई कीमतों और शराब की बिक्री के विरोध में स्थानीय लोगों ने शांतिपूर्ण जुलूस निकाला।

पुलिस ने आंदोलन के नेताओं को पिटाई कर दी जिससे गुस्साई भीड़ ने पुलिस थाने को घेर कर आग लगा दी जिसमें 22 पुलिसकर्मी मारे गए। गांधीजी ने इसी घटना के बाद **12 फरवरी 1922 ई०** को असहयोग आंदोलन को स्थगित कर दिया।

**साइमन कमीशन:** ब्रिटिश सरकार द्वारा गठित इस आयोग का कार्य भारत में संवैधानिक व्यवस्था की कार्यशैली का अध्ययन करना था। यह आयोग 3 **फरवरी 1928 ई०** को भारत पहुंचा। इस आयोग में एक भी भारतीय सदस्य नहीं थे सारे अंग्रेज थे। कांग्रेस और मुस्लिम लीग समेत सभी पार्टियों ने साइमन कमीशन वापस जाओ के नारों से स्वागत किया।

**कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन:** दिसंबर 1929 में जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज की मांग को औपचारिक रूप से मान लिया गया साथ ही यह तय किया गया कि **26 जनवरी 1930 ई०** को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

**नमक सत्याग्रह (दांडी मार्च):** भारत के वायसराय **लॉर्ड इरविन** ने जब गांधी जी की 11 सूत्रीय मांगों को मानने से इनकार कर दिया तब गांधी जी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन के अंतर्गत **12 मार्च 1930 ई० को साबरमती आश्रम से अपने 78** अनुयायियों के साथ नमक सत्याग्रह की शुरुआत की।

6 अप्रैल को दांडी पहुंचकर गांधीजी ने समुद्र का पानी उबालकर नमक बनाना शुरू कर दिया यह कानून की अवज्ञा थी।

© JCERT not to be republished

**गोलमेज सम्मेलन:** साइमन कमीशन की रिपोर्ट पर विचार- विमर्श करने के लिए ब्रिटिश सरकार ने लंदन में तीन गोलमेज सम्मेलन का आयोजन करवाया।

**प्रथम गोलमेज सम्मेलन (1930ई०)** में कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी को छोड़कर बाकी सभी दलों ने भाग लिया।

**द्वितीय गोलमेज सम्मेलन (1931ई०)** में **गांधी जी** ने एकमात्र कांग्रेस के प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया था।

**पूना समझौता (पूना पैक्ट)**: ब्रिटिश सरकार द्वारा दलित वर्ग को पृथक निर्वाचक मंडल की सुविधा दिए जाने के विरोध में गाँधी जी और भीम राव अम्बेडकर के मध्य **26 सितंबर 1932** ई०को एक समझौता हुआ जिसे पूना पैक्ट कहते है।

**तृतीय गोलमेज़ सम्मेलन (1932ई०)** का कांग्रेस पार्टी ने बहिष्कार किया था।

**भारत छोड़ो आंदोलन:** महात्मा गाँधी ने अंग्रेजों को पूर्ण रूप से भारत को छोड़कर चले जाने को कहा। **8 अगस्त 1942** ई० को बंबई में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया और देशवासियों से अहिंसक जन संघर्ष का आह्वाहन किया गया इस अवसर पर गांधी जी ने प्रसिद्ध **"करो या मरो"** का नारा भी दिया।

**सामूहिक अपनेपन की भावना:** इतिहास व साहित्य ,लोक कथाएं व गीत, चित्र व प्रतीक, सभी ने राष्ट्रवाद को साकार करने में अपना योगदान दिया।

**बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय** ने मातृभूमि की स्तुति के लिए वन्दे मातरम गीत लिखा था।

**अबनींद्रनाथ टैगोर** ने भारत माता की विख्यात छवि को चित्रित किया।

© NCERT not to be republished

## अभ्यास के प्रश्न

### बहुविकल्पीय प्रश्न

1. जलियांवाला बाग हत्याकांड कब हुआ?

   a. 1918 b. 1919

   c. 1921 d. 1922

2. असहयोग आंदोलन कब शुरू हुआ?

   a. 1920 b. 1921

   c. 1922 d. 1923

3. कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन की अध्यक्षता किसने की?

a. महात्मा गांधी

b. जवाहरलाल नेहरू

c. राजेंद्र प्रसाद

d. भीमराव अंबेडकर

4. "करो या मरो" का नारा किसने दिया था?

a. सरदार पटेल

b. महात्मा गांधी

c. सुभाषचंद्र बोस

d. भगत सिंह

5. द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस के प्रतिनिधि के रूप में किसने भाग लिया?

a. सरोजिनी नायडू

b. मदन मोहन मालवीय

c. महात्मा गाँधी

d. पं० जवाहरलाल नेहरू

## लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 6.** सत्याग्रह के विचार का क्या अर्थ है?

**प्रश्न 7.** रॉलेट एक्ट के बारे में बताइए।

**प्रश्न 8.** साइमन कमीशन के बारे में लिखिए।

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 9.** असहयोग आंदोलन का क्या कार्यक्रम था ? इस आंदोलन को वापिस क्यों लिया गया?

**प्रश्न 10.** गांधीजी ने नमक सत्याग्रह क्यों किया ? इसका सविनय अवज्ञा आंदोलन पर क्या प्रभाव पड़ा ?

© JCERT not to be republished